1118 1101

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

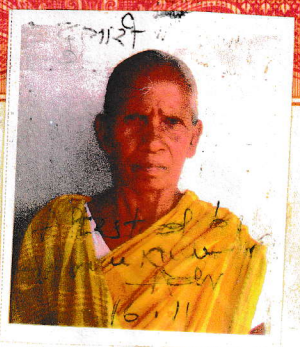

... २१ क ... अधिनियम 1908 की धारा ... 46 I Pro. C. के अधीन ... भारतीय स्टाम्प अधिनियम (इंडियन स्टाम्प एक्ट) 1899 की अनुसूची 1 या 1 क संख्या 23 I A with the Permission By S.D.O. Simdega, vide case No 316/09-10. order dt. 13.4.10. ... (या स्टाम्प शुल्क म विमुक्त) ... शुल्क प्रभारित नहीं ।

16.11.10

§1§ लेख्यकारिणी:- श्रीमती दुलारी गुड़िया पति श्री निर्मल बागे, जाति- मुण्डा, पेशा- गृहस्थी, निवास ग्राम- सलडेगा, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. .. .. बिक्रेतिका ।

100Rs.

§2§ लेख्यधारिणी:- सुश्री प्रफुलिता आइन्द पिता श्री पात्रिक आइन्द, जाति- मुण्डा, पेशा- गृहस्थी, निवास ग्राम-फरसाबेड़ा, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. केतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 737/2010

§3§ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिग चौबीस हजार रूपये अंके 24,000/- रूपये होता है ।

§5§ सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- सलडेगा खास थाना- सिमडेगा, थाना नं0 117, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 32/4 §बतीस बटा चार§ प्लॉट नं0 1147 §ग्यारह सौ सैंतालिस§ रकबा 0·20 एकड़ में से 0·02 एकड़ §दो डिसमिल§ यह जमीन व्यवसायिक नहीं है पूर्णत: आवासीय है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।

जिसकी चौहद्दी:-

देपा. कुमारी उर्मिला
वा. जोनसन बड़ा
ता. 16-11-10

अशोक कुमार बड़ा
सं. 22605
...सलडेगा
सिमडेगा
...11-10

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

पूरब :- इसी प्लॉट का अंश दूसरा भाग,
पश्चिम:- इसी प्लॉट का अंश रास्ता 10 फीट का कच्ची ।
मालगुजारी 2 पैसा (दो पैसा) अलावे सेस सलाना ।

(1) चूंकि मुझ लेख्यकारिणी को मकान बनाने एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

(2) इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेची और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

(3) मैं प्रतिज्ञा करती हूं कि बिक्री की जानेवाली जमीन मेरे दखल कब्जे की जमीन है । वर्तमान में उपरोक्त भूमि की

डेमो. कुमारी सुशीला
सा: जोनपुर ...
ता: 16-11-10

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs. 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

जमाबन्दी मेरे नाम से चल रही है एवं मालगुजारी रसीद भी मेरे नाम से कट रही है । उक्त जमीन पर किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीं है ।

§4§ चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य है अत: जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् अनुमण्डल पदाधिकारी, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 316/2009-10 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 13·4·10 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 297§II§ दिनांक 13·4·2010 है ।

§5§ अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काविज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझे अपने उपयोग में लावे वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

लेपा से. दुलारी डुंगडुंग
बा: सोनमन बाड़ा
ता: 16-11-10

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.　　Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये　ONE HUNDRED RUPEES

मैं लेख्यकारिणी यह घोषणा करती हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

बेपा नि. दुलारी गुड़िया
वा: जोनमन बड़िंग
ता: 16-11-10

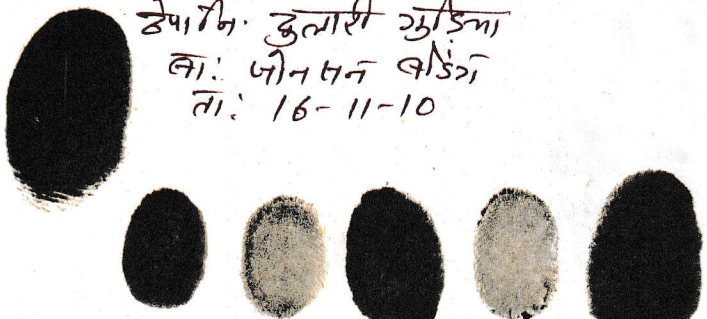

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमति दुलारी गुड़िया ने अपने बायें हाथ की पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने दी। सही अरुण कुमार, अधिवक्ता ता: 16-11-2010 ।

बेपा नि. दुलारी गुड़िया
वा: जोनमन बड़िंग
ता: 16-11-10

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

prophulita Aind
16/11/10

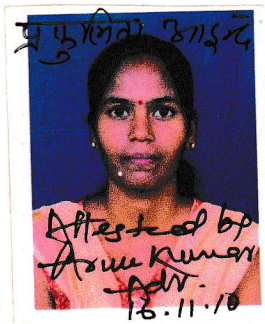

प्रमाणित किया जाता है कि सुश्री प्रफुलिता

100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- अरुण कुमार,
अधिवक्ता
{प्रारूपकर्त्ता}
तारीख:- 16-11-10 ।

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल छ: पृष्ठों में कुल 592 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक
मो० मकसुद
16-11-2010

मो0 मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

1120

1103 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

...सतकारी अधिनियम 1908 की धारा ...46 I Pro. (c) के अधीन...
...भारतीय स्टाम्प अधिनियम
(...डियन स्टाम्प एक्ट) 1899 की अनुसूची
1 का 1 क संख्या ...23 I A with the Permission by S.D.O. Simdega vide case No 318/09-10 order dt. 13.4.10.
...
...(या स्टाम्प शुल्क से ...
...शुल्क प्रभारित नहीं।

16.11.10

(1) लेख्यकारिणी:- श्रीमती सुगन गुड़िया पति श्री प्रभु सहाय केरकेट्टा, जाति- मुण्डा, पेशा- गृहस्थी, निवास ग्राम-सलडेगा, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. .. .. बिक्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 738/2010

50 Rs.

§2§ लेख्यधारिणी:- सुश्री प्रफुलिता आइन्द पिता श्री पात्रिक आइन्द, जाति- मुण्डा, पेशा- गृहस्थी, निवास ग्राम-फरसाबेड़ा, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

∴ भारतीय नागरिक ∴ क्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 739/2010

§3§ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिग एक लाख बतीस हजार रुपये अंके 1,32,000/- रुपये होता है ।

§5§ सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- सलडेगा खास थाना- सिमडेगा, थाना नं0 117, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 32/3 §बतीस बटा तीन§ प्लॉट नं0 1147 §ग्यारह सौ सैतालिस§ रकबा 0·11 एकड़ §ग्यारह डिसमिल§ यह जमीन व्यवसायिक नही है पूर्णत: आवासीय है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नही है ।

जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- रामचन्द्र साहु का टांड़,

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश,

16-11-10

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रु. FIFTY RUPEES 50RS.

पश्चिम:- इसी प्लॉट का अंश दूसरा भाग टाड़ ।
मालगुजारी 5 पैसा (पाँच पैसा) अलावे सेस सलाना ।

(1) चूँकि मुझ लेख्यकारिणी को मकान बनाने एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयो की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

(2) इसलिए मैने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता मे रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेची और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियो के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

(3) मै प्रतिज्ञा करती हूँ कि बिक्री की जानेवाली जमीन मेरे दखल कब्जे की जमीन है । वर्तमान मे उपरोक्त भूमि की जमाबन्दी मेरे नाम से चल रही है एवं मालगुजारी रसीद भी मेरे नाम से कट रही है । उक्त जमीन पर किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नही है ।

50 Rs.

§4§ चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य है अत: जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् अनुमण्डल पदाधिकारी, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 318/2009-10 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 13·4·10 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 299§ii§ दिनांक 13·4·2010 है ।

§5§ अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काविज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझे अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

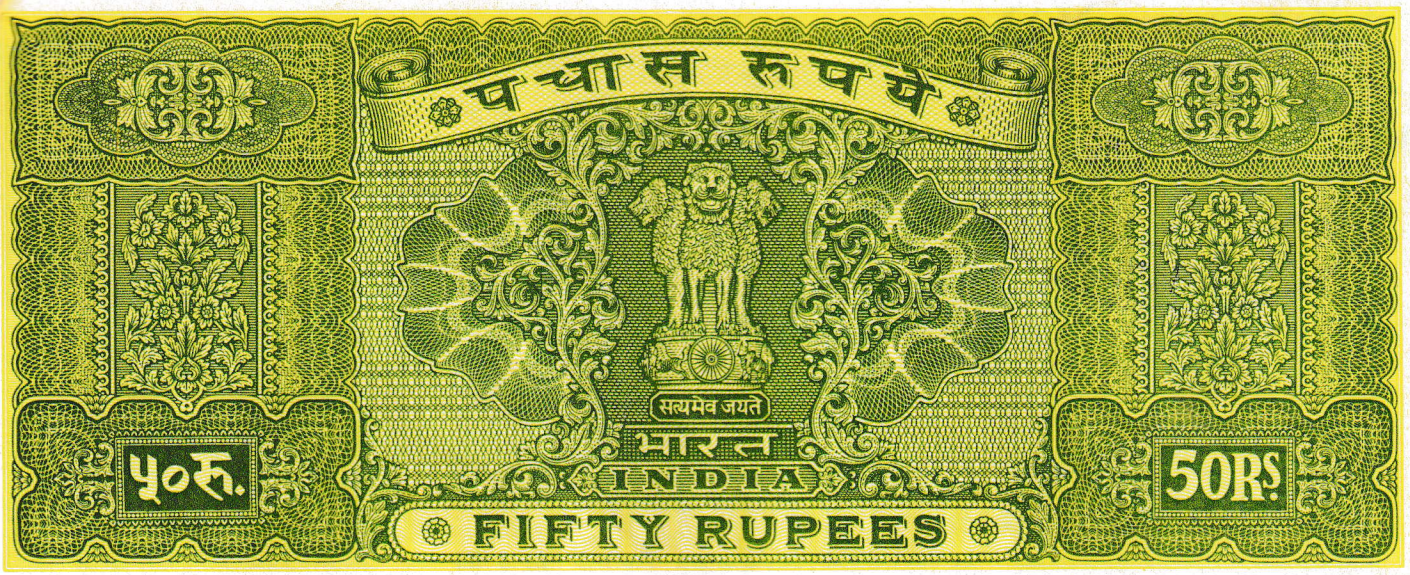

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रू. FIFTY RUPEES 50RS.

मै लेख्यकारिणी यह घोषणा करती हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही सुगन गुड़िया

१६. ११. १०

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमति सुगन गुड़िया ने अपने बायें हाथ की पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने दी। सही अनुराग कुमार, अधिवक्ता ता: - 16-11-2010 ।

सही सुगन गुड़िया १६. ११. १०

मै लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व मे धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

praphulita Aind

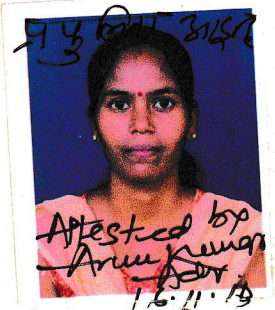

16/11/10

प्रमाणित किया जाता है कि सुश्री प्रफुलिता आइन्द ने अपने बायें हाथ की पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने दी। [illegible] अधिवक्ता ता: 16-11-2010 ।

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५० रु.

50 RS.

FIFTY RUPEES

--6--

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- अनुराग कुमार,
अधिवक्ता
(प्रारूपकर्ता)
तारीख:- 16-11-10

50 Rs.

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल सात पृष्ठों में कुल 592 शब्द टंकित है जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक
मो० मक्सूद
16-11-2010

मो० मक्सूद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।